



0542 – 2222689 (O)
0542 – 2223099 (R)

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ,
वाराणसी-२२१००२
Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith,
Varanasi-221002

कुलसचिव
Registrar



पत्रांक :- कु०स०-२सी.समिअ / 7054-ए / विद्यापरि० बैठक 04-3 / 2016

दिनांक :- 27 मार्च, 2017

विद्यापरिषद् की बैठक दिनांक 27.03.2017 का कार्यवृत्त

कुलपति जी की अध्यक्षता में विद्यापरिषद् की बैठक दिनांक 27.03.2017 को अपराह्न 03:00 बजे "डॉ० भगवान दास केन्द्रीय पुस्तकालय स्थित समिति कक्ष" में सम्पन्न हुई। बैठक में अधोलिखित सदस्य उपस्थित हुए—

1. डॉ० पृथ्वीश नाग, कुलपति	अध्यक्ष
2. प्रो० उमारानी त्रिपाठी, संकायाध्यक्ष, मानविकी संकाय (विभागाध्यक्ष-मंचकला, उर्दू, अंग्रेजी एवं प्रभारी-पुस्तकालय विज्ञान)	सदस्य
3. प्रो० नन्दलाल, संकायाध्यक्ष, समाज विज्ञान संकाय	सदस्य
4. प्रो० रामप्रकाश द्विवेदी, संकायाध्यक्ष-समाजकार्य संकाय एवं विभागाध्यक्ष-गांधी अध्ययन	सदस्य
5. प्रो० कृपा शंकर जायसवाल, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य एवं प्रबन्ध० संकाय	सदस्य
6. प्रो० सुरेन्द्र बहादुर सिंह, संकायाध्यक्ष, विधि संकाय	सदस्य
7. प्रो० सत्या सिंह, संकायाध्यक्ष, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संकाय (विभागाध्यक्ष-कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग, गणित एवं सांख्यिकी विभाग एवं प्रभारी, हैण्डलूम सांइस)	सदस्य
8. डॉ० वीरेन्द्र कुमार सिंह, संकायाध्यक्ष, कृषि संकाय (श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया)	सदस्य
9. प्रो० अशोक कुमार मिश्र, संकायाध्यक्ष, चिकित्सा विज्ञान संकाय	सदस्य
10. प्रो० शिवकुमार मिश्र, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग	सदस्य
11. प्रो० राममूर्ति चतुर्वेदी, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग	सदस्य
12. प्रो० अशोक कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग	सदस्य
13. प्रो० प्रदीप कुमार, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
14. प्रो० मल्लिका चतुर्वेदी, विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग	सदस्य
15. प्रो० शम्भू उपाध्याय, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग(निदेशक, गंगापुर परिसर)	सदस्य
16. प्रो० रामचन्द्र पाठक, विभागाध्यक्ष, समाजकार्य विभाग	सदस्य
17. प्रो० सुधीर कुमार शुक्ला, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग	सदस्य
18. प्रो० गोपाल प्रसाद नायक, विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग	सदस्य
19. प्रो० ओम प्रकाश सिंह, निदेशक, म०मो०मा०हि०पत्र०सं०	सदस्य
20. डॉ०राजीव मोहन, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राज०स्ना०महा०, चुनार, मिर्जापुर	सदस्य
21. डॉ०(श्रीमती) जयश्री द्विवेदी, असि०प्रोफेसर, गृह विज्ञान, पं०दीन दयाल उपाध्याय राजकीय स्नातकोत्तर- महाविद्यालय, पलहीपट्टी, वाराणसी।	सदस्य
22. डॉ०अशोक कुमार सिंह, एसो०प्रोफेसर, कृषि रसायन, मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महा०, बलिया	सदस्य
23. डॉ०प्रकाश नारायण चौबे, एसो०प्रोफेसर, कृषि प्रसार, मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महा०, बलिया	सदस्य
24. श्री योगेन्द्र चन्द्र पटेल, असि०प्रोफेसर, उद्यान विज्ञान, राजकीय महाविद्यालय, जकिखनी, वाराणसी	सदस्य
25. डॉ०धर्मेन्द्र सिंह, एसो०प्रोफेसर, पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान, मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महा०, बलिया	सदस्य
26. डॉ०सन्तोष सिंह, असि०प्रोफेसर, शस्य विज्ञान, राजकीय महाविद्यालय, जकिखनी, वाराणसी	सदस्य
27. डॉ०बृजेश सिंह, असि०प्रोफेसर, आनुवांशिक एवं पादप प्रजनन, मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महा०, बलिया	सदस्य
28. श्री वेद प्रकाश गुप्ता, असि०प्रोफेसर, भूमि संरक्षण, राजकीय महाविद्यालय, जकिखनी, वाराणसी	सदस्य
29. प्रो० सत्येन्द्र नाथ चतुर्वेदी, अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
30. प्रो० मुन्नीलाल, अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
31. प्रो० कल्पलता पाण्डेय, शिक्षाशास्त्र विभाग एवं निदेशक पर्यटन अध्ययन संस्थान	सदस्य
32. प्रो० रविप्रकाश पाण्डेय, समाजशास्त्र विभाग	सदस्य

33. प्रो० शशि देवी सिंह, दर्शनशास्त्र विभाग	सदस्य
34. प्रो० अजीत कुमार शुक्ला, वाणिज्य विभाग	सदस्य
35. प्रो० दिवाकर लाल श्रीवास्तव, इतिहास विभाग	सदस्य
36. प्रो० संजय, समाजकार्य विभाग	सदस्य
37. प्रो० राजेन्द्र प्रसाद सिंह, मनोविज्ञान विभाग	सदस्य
38. प्रो० सभाजीत सिंह यादव, दर्शनशास्त्र विभाग	सदस्य
39. प्रो० रेखा, समाजशास्त्र विभाग	सदस्य
40. प्रो० भावना वर्मा, समाजकार्य विभाग	सदस्य
41. प्रो० अमिता सिंह, समाजशास्त्र विभाग	सदस्य
42. प्रो० राजेश कुमार मिश्र, दर्शन विभाग	सदस्य
43. प्रो० राजबाला, इतिहास विभाग	सदस्य
44. प्रो० सुशील कुमार गौतम, निदेशक, नेचुरोपैथी एवं योग विभाग	सदस्य
45. प्रो० रामहित राम, अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
46. प्रो० अशोक कुमार पाण्डेय, श्री सुदृष्टि बाबा स्ना०महा०, सुदृष्टिपुरी, रानीगंज, बलिया	सदस्य
47. डॉ० सुरेश कुमार श्रीवास्तव, पं०कमलापति त्रिपाठी राजकीय महाविद्यालय, चन्दौली	सदस्य
48. डॉ० कुन्दन सिंह, शारीरिक शिक्षा विभाग	सदस्य
49. डॉ० राजेश पाल, अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
50. डॉ० रंजन कुमार, विधि विभाग	सदस्य
51. डॉ० अशोक कुमार सिंह, देवेन्द्र स्ना०महा०, बेल्थरा रोड, बलिया	सदस्य
52. डॉ० कृष्णकान्त मिश्र, श्री मु०मनो०टा०स्ना०महा०, बलिया	सदस्य
53. डॉ० रश्मि सिंह, मनोविज्ञान विभाग	सदस्य
54. डॉ० शशिबाला, अर्थशास्त्र विभाग	सदस्य
55. डॉ० संगीता घोष, मंचकला विभाग	सदस्य
56. डॉ०ओम प्रकाश राय, जगतपुर स्ना०महा०, जगतपुर, वाराणसी	सदस्य
57. श्री शिवराम, पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ० भगवान दास केन्द्रीय पुस्तकालय	सदस्य
58. Prof. A.N.Rai(Ex-Director, NAAC), NEHU, Shilong, Meghalaya. Ph-9436104163	वा०सदस्य
59. श्री ओम प्रकाश, कुलसचिव	सचिव

बैठक में अधोलिखित निर्णय लिये गये:-

बिन्दु सं०(01):-विद्यापरिषद् की गत बैठक दिनांक 18.04.2015 एवं आपात बैठक दिनांक 20.07.2015, 19.11.2015 एवं 18.11.2016 के कार्यवृत्त की पुष्टि एवं कृतकार्यवाही की सूचना।

निर्णय :- परिषद् ने विचार-विमर्श के अनन्तर उपर्युक्त बैठकों के कार्यवृत्त को पुष्ट एवं अनुमोदित किया।

बिन्दु सं०(02):- परीक्षा समिति की बैठक दिनांक 21.08.2015, 05.01.2016, 17.02.2016, 13.05.2016, 26.07.2016 एवं 03.02.2017 के कार्यवृत्त के अनुमोदन पर विचार।

निर्णय :- परिषद् ने विचार-विमर्श के अनन्तर उपर्युक्त बैठकों के कार्यवृत्त को अनुमोदित किया।

बिन्दु सं०(03):- प्रवेश समिति की बैठक दिनांक 12.03.2016, 05.07.2016 एवं 18.03.2017 के कार्यवृत्त के अनुमोदन पर विचार।(संलग्नक 3, 3क एवं 3ख)।

निर्णय :- परिषद् ने विचार-विमर्श के अनन्तर उपर्युक्त बैठकों के कार्यवृत्त को अनुमोदित किया।

बिन्दु सं०(04):-विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना को ऐच्छिक विषय के रूप में लागू करने सम्बन्धी डॉ०अशोक श्रोती, क्षेत्रीय निदेशक, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र सं० 19-3/रासेयो/क्षेके/लख/2015-16 दिनांक 25.08.2015, पर विचार।

निर्णय :- परिषद् ने विचारोपरान्त निर्णय लिया कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की पाठ्यक्रमों की सूची में राष्ट्रीय सेवा योजना विषय को भी सम्मिलित किये जाने अनुरोध पत्र प्रेषित किया जाय।

बिन्दु सं0(05):—श्री संजय कुमार नागर, ज्वाइण्ट सेक्रेटरी, एन0आई0आर0सी0—आई0सी0एस0आई0 के ई—मेल दिनांक 01.02.2016 जो वाणिज्य स्नातक के सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्र/छात्राओं को सिग्नेचर अवार्ड प्रदान किये जाने सम्बन्धी MOU तैयार किये जाने के सम्बन्ध में है, पर विचार।

निर्णय :- परिषद् विचार—विमर्श के अनन्तर निर्णय लिया कि समन्वयक, आई0क्यू0ए0सी0 उपर्युक्त MOU तैयार कर कुलपति जी के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

बिन्दु सं0(06):—डॉ0अशोक श्रोती, क्षेत्रीय निदेशक युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना के पत्र संख्या 19—3/रासेयो/क्षेके/लख/2015—16 दिनांक 25 अगस्त, 2015 जो विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना को एक ऐच्छिक विषय के रूप में लागू करने के सम्बन्ध में है, पर विचार।

निर्णय :- बिन्दु सं0या—04 में कार्यवाही हो चुकी है।

बिन्दु सं0(07):—डॉ0पंकज मित्तल, अपर सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्र संख्या मिसिल सं0 16—1/2008(राजभाषा) दिनांक 31 मार्च, 2016 जो 10वें विश्व हिन्दी सम्मेलन में पारित अनुशासा “विश्वविद्यालयों के शैक्षिक पाठ्यक्रमों में विदेशी भाषाओं को वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया जाना चाहिए” के सम्बन्ध में है, पर विचार।

निर्णय :- परिषद् ने विचारोपरान्त उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में प्रस्ताव तैयार कर संकाय समिति के माध्यम से प्रस्तुत करने हेतु संकायाध्यक्ष, मानविकी संकाय को अधिकृत किया।

बिन्दु सं0(08):— प्रो0कृपाशंकर जायसवाल, समन्वयक, आई0क्यू0ए0सी0 के पत्र सं0 IQAC/210(विविध)/1(677)/16 दिनांक 04.10.2016 जो विभिन्न विभागों से प्राप्त जनरल्स की सूची को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को भेजने के लिए अधिकृत करने के सम्बन्ध में है, पर विचार।

निर्णय :- परिषद् ने विचार—विमर्श के उपरान्त समन्वयक, आई0क्यू0ए0सी0 के उक्त प्रस्ताव को अनुमोदित किया।

बिन्दु सं0(09):— स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के अन्तर्गत रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन में अध्ययन समिति कराये जाने सम्बन्धित कुलसचिव के पत्र सं0 कु0स0—2बी स0अ0/10895/05—510—2016/2016 दिनांक 25 अक्टूबर, 2016 पर विचार।

निर्णय :- परिषद् ने विचार—विमर्श कर निर्णय लिया कि चूँकि एम0एस—सी0 के साथ—साथ एम0ए0 में भी उक्त विषय संचालित है। अतएव मानविकी संकाय के अन्तर्गत भी इसे परिनियमित किया जाय।

बिन्दु सं0(10):— कोर फैकल्टी के शिक्षकों की कृतियों को यू0जी0सी0 द्वारा प्राप्त प्रकाशन मद से प्रकाशित कराये जाने सम्बन्धी प्रो0नन्दलाल, समन्वयक, यू0जी0सी0यूनिट के पत्र दिनांक 04.07.2016 पर विचार।

निर्णय :- परिषद् ने विचार—विमर्श के अनन्तर उक्त प्रस्ताव को अस्वीकृत किया।

बिन्दु सं0(11):— प्रो0अरविन्द कुमार पाण्डेय, संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय के पत्र सं0 शि0सं0/527/2015 दिनांक 15.10.2015 जो एम0एड0द्विवर्षीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम के अनुमोदन के सम्बन्ध में है, पर विचार।

निर्णय :- परिषद् ने विचारोपरान्त उक्त पाठ्यक्रम को अनुमोदित किया।

बिन्दु सं0(12):— प्रो0शम्भू उपाध्याय, निदेशक, गंगापुर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ द्वितीय परिसर के पत्र दिनांक 03.03.2017 जो महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, गंगापुर परिसर के अध्यादेश के अनुमोदन के सम्बन्ध में है, पर विचार।

निर्णय :- परिषद् ने विचार—विमर्श के अनन्तर समिति के माध्यम से परीक्षण कराने हेतु कुलपति जी को अधिकृत किया।

बिन्दु सं0(13):- महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के द्वितीय गंगापुर परिसर में स्नातक स्तर पर मनोविज्ञान एक विषय के रूप में एवं स्नातकोत्तर स्तर पर एम0एफ0ए0 पाठ्यक्रम 2017-18 से संचालित किये जाने सम्बन्धी प्रो0शम्भू उपाध्याय, निदेशक, गंगापुर महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ द्वितीय परिसर के पत्र दिनांक 07.03.2017 पर विचार।

निर्णय :- परिषद् ने विचारोपरान्त उपर्युक्त प्रस्ताव हेतु स्वीकृति प्रदान किया।

बिन्दु सं0(14):- फैंकल्टी बोर्ड (वाणिज्य एवं प्रबन्धशास्त्र) की बैठक दिनांक 15.02.2016 द्वारा एम0बी0ए0 एवं बी0बी0ए0 के परिमार्जित एवं संशोधित नये पाठ्यक्रम के अनुमोदन कराये जाने सम्बन्धी प्रो0कृपाशंकर जायसवाल, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य एवं प्रबन्धशास्त्र संकाय के पत्र दिनांक 17.02.2016 पर विचार।

निर्णय :- परिषद् ने विचार-विमर्श के अनन्तर उपर्युक्त संशोधित पाठ्यक्रम को अनुमोदित किया।

बिन्दु सं0(15):- फैंकल्टी बोर्ड (वाणिज्य एवं प्रबन्धशास्त्र) की बैठक दिनांक 18.10.2016 द्वारा पारित शोध कोर्स वर्क तथा एम0काम0 द्वितीय सेमेस्टर Corporate Tax Planning & Management (Code MC 204) के संशोधित पाठ्यक्रम के अनुमोदन कराये जाने सम्बन्धी प्रो0कृपाशंकर जायसवाल, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य एवं प्रबन्धशास्त्र संकाय के पत्र दिनांक 18.10.2016 पर विचार।

निर्णय :- परिषद् ने विचार-विमर्श के अनन्तर उपर्युक्त संशोधित पाठ्यक्रम को अनुमोदित किया।

बिन्दु सं0(16):- प्रो0राफेल टोरेला, चेयर ऑफ संस्कृत, रोम विश्वविद्यालय के पत्र दिनांक 28.12.2015 पर विचार।

निर्णय :- परिषद् ने विचार-विमर्श के अनन्तर उपर्युक्त प्रस्ताव को अस्वीकृत किया।

बिन्दु सं0(17):- शिक्षाशास्त्र विभाग में मानवाधिकार शिक्षा में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम(Certificate Course) संचालित किये जाने सम्बन्धी प्रो0कल्पलता पाण्डेय, तत्कालीन विभागाध्यक्ष के पत्र दिनांक 11.02.2017 पर विचार।

निर्णय :- परिषद् ने विचार-विमर्श के अनन्तर उपर्युक्त प्रस्ताव को अस्वीकृत किया साथ ही निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय में किसी भी विभाग में सर्टिफिकेट कोर्स संचालित न किया जाय।

बिन्दु सं0(18):- डॉ0वीरेन्द्र कुमार सिंह, संकायाध्यक्ष, कृषि संकाय, श्री मुरनी मनोहर टाउन स्ना0महा0, बलिया के पत्र दिनांक 18.09.2016 जो महाविद्यालय के कृषि संकाय के अन्तर्गत संचालित कृषि वनस्पति पाठ्यक्रम का नाम परिवर्तित कर आनुवांशिक एवं पादप प्रजनन किये जाने के सम्बन्ध में है, पर विचार।

निर्णय :- परिषद् ने विचारोपरान्त उक्त प्रस्ताव पर अपनी सहमति प्रदान करते हुए परिणियम में संशोधन करने का निर्णय लिया।

बिन्दु सं0(19):- डॉ0वीरेन्द्र कुमार सिंह, संकायाध्यक्ष, कृषि संकाय, श्री मुरनी मनोहर टाउन स्ना0महा0, बलिया के पत्र दिनांक 10.09.2016 जो महाविद्यालय के कृषि संकाय के अन्तर्गत संचालित कृषि रसायन पाठ्यक्रम का नाम परिवर्तित कर कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान किये जाने के सम्बन्ध में है, पर विचार।

निर्णय :- परिषद् ने विचारोपरान्त उक्त प्रस्ताव पर अपनी सहमति प्रदान करते हुए परिणियम में संशोधन करने का निर्णय लिया।

बिन्दु सं0(20):- एम0फिल0 डिग्री धारकों को शोध प्रवेश परीक्षा से छूट सम्बन्धी प्रकरण पर विचार।

निर्णय:- अध्यक्ष की अनुमति के बिन्दु सं0-05 के निर्णय से आच्छादित।

अध्यक्ष की अनुमति से अन्य बिन्दुओं पर विचार :-

बिन्दु सं०:(01)—शिक्षक संघ के पत्र दिनांक 04 मार्च, 2017 एवं मा०कुलपति जी द्वारा इस सन्दर्भ में आई०क्यू०ए०सी०—समन्वयक से वार्ता के आधार पर यह निर्णय लिया गया कि ए०पी०आई०अंकों की गणना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना दिनांक 11.07.2017 अर्थात् विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (शिक्षकों एवं अन्य अकादमिक स्टाफ की विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में नियुक्ति सम्बन्धी न्यूनतम अर्हताएं एवं उच्च शिक्षा में मानकों के अनुरक्षण सम्बन्धी उपाय, चतुर्थ संशोधन) विनियम-2016 के अनुसार होंगे, को विद्यापरिषद् द्वारा अंगीकृत किये जाने पर विचार।

निर्णय :- परिषद् ने विचार—विमर्श के अनन्तर उपर्युक्त पर अपनी सहमति प्रदान किया।

बिन्दु सं०:(02)—प्रो०उमारानी त्रिपाठी, संकायाध्यक्ष, मानविकी संकाय द्वारा संस्कृत विभाग के अन्तर्गत संचालित कर्मकाण्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संशोधित पाठ्यक्रम के अनुमोदन पर विचार।

निर्णय:- परिषद् ने उक्त पाठ्यक्रम के अनुमोदन को स्वीकृत किया।

बिन्दु सं०:(03)—प्रो०कल्पलता पाण्डेय, निदेशक, पर्यटन अध्ययन संस्थान द्वारा प्रेषित पर्यटन एवं यात्रा प्रबन्धन(Tourism and Travel Management) में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने की अनुमति का संशोधित पाठ्यक्रम के अनुमोदन पर विचार।

निर्णय:- परिषद् ने विचार—विमर्श के अनन्तर उपर्युक्त प्रस्ताव को स्थगित रखा।

बिन्दु सं०:(04)—डॉ०कमला शंकर (Shankar slide guitar Exponent) द्वारा प्रस्तावित डिप्लोमा इन इण्डियन स्लाइड गिटार (Diploma in Indian Slide Guitar) पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने की अनुमति पर विचार।

निर्णय:- परिषद् ने विचार—विमर्श के अनन्तर पाठ्यक्रम संचालित करने के सम्बन्ध में प्रभारी, मंचकला विभाग, डॉ०संगीता घोष को अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करने हेतु अधिकृत किया।

बिन्दु सं०:(05)—समस्त संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष की बैठक दिनांक 21.02.2017 के निर्णयानुसार प्रो०ओम प्रकाश सिंह, निदेशक, म०मो०हिन्दी पत्र०संस्थान की अध्यक्षता में शोध अध्यादेश परिमार्जन एवं शोध प्रवेश प्रक्रिया निर्धारण हेतु गठित समिति की अधोलिखित संस्तुति पर विचार—

MAHATMA GANDHI KASHI VIDYAPITH, VARANASI-02

Doctor of Philosophy Degree Ordinance, 2017

In exercise of the powers conferred by the sub-section(3) of section 52 of the Uttar Pradesh State University Act, 1973 (President's Act No.10 of 1973), as re-enacted and amended by the Uttar Pradesh Universities (Re-enactment and Amendment) Act 1974 (U.P. Act no.29 of 1974) and in supersession of all the previous ordinances on the subject, the Executive Council, hereby makes the following ordinances in order to regulate the minimum standard and procedures for award of Ph.D. Degree in consonance with the University Grants Commission (Minimum Standard and Procedure For Award Of Ph.D. Degree) Regulations, 2016-

1.0 Short title and commencement

1.01- These Ordinances may be called “The Mahatma Gandhi Kashi Vidyapith/University Doctor Of Philosophy (Ph.D.) Degree Ordinance, 2017”.

1.02- They shall come into force from the session 2017.

2.0 Eligibility criteria for admission to the Ph.D. programme:

Subject to the conditions stipulated in these Regulations, the following persons are eligible to seek admission to the Ph.D. programme.

- 2.1** Candidates for admission to the Ph.D. programme shall have a Master's degree or a professional degree declared equivalent to the Master's degree by the corresponding statutory regulatory body, with at least 55% marks in aggregate or its equivalent grade 'B' in the UGC 7-point scale (or an equivalent grade in a point scale wherever grading system is followed) or an equivalent degree from a foreign educational Institution accredited by an Assessment and Accreditation Agency which is approved, recognized or authorized by an authority, established or incorporated under a law in its home country or any other statutory authority in that country for the purpose of assessing, accrediting or assuring quality and standards of educational institutions.
- 2.2** A relaxation of 5% of marks, from 55% to 50%, or an equivalent relaxation of grade, may be allowed for those belonging to SC/ST/OBC(non-creamy layer)/Differently-Abled and other categories of candidates as per the decision of the Commission from time to time, or for those who had obtained their Master's degree prior to 19th September, 1991. The eligibility marks of 55% (or an equivalent grade in a point scale wherever grading system is followed) and the relaxation of 5% to the categories
Mentioned above are permissible based only on the qualifying marks without including the grace mark procedures.
- 2.3** Candidates who have cleared the M.Phil. Course work with at least 55% marks in aggregate or its equivalent grade 'B' in the UGC 7-point scale (or an equivalent grade in a point scale wherever grading system is followed) and successfully completing the M.Phil. Degree shall be eligible to proceed to do research work leading to the Ph. D. Degree in the same Institution in an integrated programme. A relaxation of 5% of marks, from 55% to 50%, or an equivalent relaxation of grade, may be allowed for those belonging to SC/ST/OBC(non-creamy layer)/differently-abled and other categories of candidates as per the decision of the Commission from time to time.
- 2.4** A person whose M.Phil. Dissertation has been evaluated and the viva voce is pending may be admitted to the Ph.D. programme of the same Institution;
- 2.5** Candidates possessing a Degree considered equivalent to M.Phil. Degree of an Indian Institution, from a Foreign Educational Institution accredited by an Assessment and Accreditation Agency which is approved, recognized or authorized by an authority, established or incorporated under a law in its home country or any other statutory authority in that country for the purpose of assessing, accrediting or assuring quality and standards of educational institutions, shall be eligible for admission to Ph.D. programme.
- 2.6** A candidate for pursuing research for a Doctor of Philosophy degree of the University must hold a Post-Graduate degree with minimum percentage of marks in the subject concerned and must fulfill other condition of eligibility(good academic record and other stipulation, if any) prescribed in the statutes for the recruitment to the post of Assistant Professor;

Provided that in the exceptional cases a candidate holding a Master's degree in an allied subject may also be considered for admission to Ph.D. degree by the research degree committee (RDC);

Provided further that the students appearing for final year or final semester of their Post-Graduate degree examination will also be eligible to appear for the admission process subject to the fulfillment of minimum eligibility criteria in the final result their of.

- 2.7 In Faculty of Ayurveda, however, a candidate having MD(Ayurveda) degree in the subject concerned or equivalent degree of another University recognized by this University shall be eligible for admission to the Ph.D. programme in Ayurveda.

3.0 Duration of the Programme

- 3.1 Ph.D. programme shall be for (a regular mode candidate) a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years.
- 3.2 Extension beyond the above limits will be governed by the relevant clauses as stipulated in the Statute/Ordinance of the MGKVP concerned.
- 3.3 The women candidates and Persons with Disability (more than 40% disability) may be allowed a relaxation of two years for Ph.D. in the maximum duration. In addition, the women candidates may be provided Maternity Leave/Child Care Leave once in the entire duration of Ph.D. for up to 240 days.

4.0 First Stage of admission Procedure for admission/Procedure for Entrance Test

- 4.1. No University or its affiliated/associated college/institutes shall conduct Ph.D. programs through distance education mode.
- 4.2 The University shall admit Ph.D. Student only through an entrance test named as “Common Eligibility Test” for Ph.D. (CET).
- 4.3 The University for conducting CET shall Publish (separate advertisement for first stage of admission and second stage of admission in Para 4.18) a Public Notification through its website and through an advertisement in at least two (2) daily news papers, of which at least one(1) shall be in Hindi Language .
- 4.4 Colleges under them which are allowed to conduct Ph.D. programmes, shall decide on an annual basis through their academic bodies a predetermined and manageable number of Ph.D. scholars to be admitted depending on the number of available Research Supervisors and other academic and physical facilities available, keeping in mind the norms regarding the scholar- teacher ratio (as indicated in Para 5.6), laboratory, library and such other facilities.
- 4.5 The said advertisement(as indicated in Para 4.3) will contain the salient feature necessary for the purpose, i.e. eligibility criteria, subject fee and mode of its payment, reservation, syllabus, scheme, centre, submission of application, other relevant instruction and anticipated date of the declaration of results thereof.
- 4.6 A candidate for admission to the Ph.D. Degree shall apply to the University conducting the CET on a prescribed form.
- 4.7 The syllabus of the CET will be the same as prescribed for NET/JRF examinations conducted by the University Grant Commission/Council of Scientific and Industrial Research/ Indian Council of Agricultural Research which may be seen on its websites.
- 4.8 A Written test shall be based on question with short answer, containing two question papers-
First Paper will contain multiple - choice objective – type 100 questions with short answer of 100 marks of two hours duration and will be for assessing general awareness, academic aptitude and subject proficiency.
Second Paper will contain 200 questions of 200 marks of three hours duration for assessing Subject Expertise, Research Aptitude and Subject Knowledge. There shall be no negative marking.
- 4.9 The question papers shall be prepared in two sets by the University conducting CET.

- 4.10 The test fee including application form, prescribed for different categories for CET shall be as determined by the university admission committee.
- 4.11 The test shall be conducted in the campus of University but in special circumstances, if adequate facilities are not available, it may be held in a Government college.
- 4.12 There shall be minimum qualifying marks for the test, i.e. 50 percent marks on the aggregate but minimum 40 percent marks separately in each paper;
- Provided that a relaxation of five percent marks (on the aggregate and in each paper as well) will be provided to the candidates belonging to the Scheduled caste/Scheduled tribes/ Differently abled (Physically and visually differently- abled) .
- Provided further that the average percentages of marks shall not be rounded off to the next higher integer.
- 4.13 The list prepared on the category wise(as indicated in Para 4.12) result of the qualified candidates will be displayed on the website of the university. In the next week a notice to this effect shall be published in those daily newspapers in which the advertisements were published earlier(Marks obtained by all CET candidates shall be displayed on the university website) and the notice will be issued for the Second stage of admission(as indicated in Para 4.18) for CET/NET/JRF/Exempted categories (as indicated in Para 4.16) etc.
- 4.14 A category wise Score Certificate will be awarded and dispatched to the CET qualified candidate by speed/registered post and through his/her email address if provided. This certificate will be effective for next three years from the date of issue.
- 4.15 All the qualified candidates will be free to apply for the Second stage of admission (as indicated in Para4.19) for registration to the Ph.D. programme in the University (The Department/Institute as indicated Para 4.18)within three years in accordance with his choice, as he/she deems suitable.

Exemption from the Entrance Test in First Stage of admission

- 4.16- The following categories of candidates shall be exempted from the CET for admission to the Ph.D. programme-
- (a) Regular teachers of the University or a college affiliated/associated to the **University with continuing services** who have completed their probation period successfully,
 - (b) **Foreign** students (Including NRIs) which shall be subject to the general rules framed by the Government of India from time to time and as applicable to the University with regard to the admission, fees etc,
 - (c) All candidates selected by the **UGC-NET/JRF/CSIR/ICAR** or other central regulatory bodies for their fellowship, subject to the validity norms of the respective fellowship.
 - (d) Candidates who have GATE Score of not less than 75%, and
 - (e) Serving Army, Navy and Air force Officers of at least Colonel or equivalent rank with not less than 10 years of Service applying for Ph.D. in Defense and Strategic Studies.

4.17 Second Stage of admission process / Fee

Candidates having merit/score/certificate as mentioned in ordinance(as indicated in Para **4.14/ 4.16**) with duly attested photo copies of certificates and Degree shall apply the mentioned in ordinance to his/her concerned Department /Institute on a prescribed application Form with a fee of Rs 500/- (Rupees 250/ in case of SC/ST/ Differently abled (Physically and visually differently-abled) candidates) for admission to the Ph.D. Degree .

4.18 Second Stage of admission Procedure /An Interview/Viva voce on Research Proposal

4.18.1 The CET qualified / NET/JRF (as indicated in Para 4.14/ 4.16)candidate shall apply for Ph.D. admission (Second stage in the related Department/Institute on prescribed application form along with research proposal. The candidate must write their specialization in the application. The research proposal shall be placed before the research degree committee, which may be separate for each department and shall consist of-

- (a) the Vice Chancellor as Chairman,
- (b) the Dean of the faculty or the Director of Institute,
- (c) the Head of the **University** Department, as Convener and
- (d) two experts nominated by the Vice-Chancellor in consultation with the members mentioned at (b) and (c) above for **two years**.
- (e) **All the professors of the University department.**
- (e) **One associate professor of the University Department on the basis of seniority for one year on rotation basis.**
- (f) **One Assistant Professor of the University Department on the basis of seniority for one year on rotation basis.**
- (g) **One principal of the affiliated College related to the Subject.**
- (h) **One Associate Professor of affiliated P.G. college (department) on the basis of seniority for one year on rotation basis.**
- (i) **One Assistant Professor of affiliated P.G. college (department) on the basis of seniority for one year on rotation basis.**

The Vice-Chancellor may invite a person of repute as a member of the committee.

Note:- The Vice-Chancellor may nominate a member each from OBC / SC/ST categories in the above committee if such representatives are not present in the above committee.

The Research Degree Committee (RDC) shall arrange for an interview/Viva-voce which must include **Power-Point Presentations** on the Research proposal of the candidate.

The department shall decide and display on the University website 15 days prior to the date of interview/Viva-voce, the **Power-Point Presentations(PPT)** on research proposals. The candidate must declare their specialized area of Ph.D. research proposal and submit it to the concerned department as per advertisement(as indicated in Para 4.3). For interview/Viva-voce the concerned department will prepare a list of received proposals according to specialization.

4.19 The interview/viva voce shall also consider the following aspects, viz. whether:

- 4.19.1** the candidate possesses the competence for the proposed research;
- 4.19.2** the research work can be suitably undertaken at the Institution/College;
- 4.19.3** the proposed area of research can contribute to new/additional knowledge.

4.20 The University shall maintain the department wise (in accordance with UP state reservation criteria) the list of all Ph.D. registered students on its website on year-wise basis. The list shall include the name of the registered candidate, topic of his/her research, name of his/her supervisor/co-supervisor, date of enrolment/registration.

Note:- The RDC shall prepare the merit list of all candidates appearing for interview/Viva-voce, giving equal weightage to the following five criteria, on the basis of which the final admissions will be carried out-

- 1. Knowledge of candidate in the given domain(specialization)**
- 2. Review of published research in relevant field**
- 3. Research Methodology /Logic**
- 4. Depth and lucidity of presentation**

5. Relevance/innovativeness of the proposal

- 4.21 The number of students that shall be admitted to the Ph.D. programme shall be against the declared seats only .
- 4.22 While granting admission to candidates, the University will follow to the State Reservation Policy.
- 4.23 A Candidate may be allowed to pursue his/her research work at one of the Government/Aided Autonomous/Associated/Constituent College in the regular departments having PG courses.
- 4.24 The **Head** of each **University Department** shall place all such recommendations before the **Vice-Chancellor**.
- 4.25 All proposals approved by the RDC of various faculties shall be forwarded to the Registrar who shall place the same before the admission committee for final approval for registration as a Ph.D. student of the University.

5.0 Eligibility Criteria and Allocation of Research Supervisor:

The university shall maintain department/college wise list of supervisors with specialization and available seats for Ph.D. registration on its website on a year wise basis.

- 5.1 Regular whole-time teachers of the University in the subject concerned having at least one research publication or two research papers published in referred journals and periodicals to their credit and holding Ph.D. degree, with-
- (a) at least five year of Post Graduate teaching experience.

or

- (b) at least five year of Post Ph.D. experience as research scientist in a research organization recognized as such by the University Grant Commission, subject to the condition that number of registered scholar shall not exceed four for a professor level scientist, three for an Associate Professor level Scientist and two for Assistant Professor level Scientist, and professor of Eminence shall be approved as supervisors to guide Ph.D. thesis:

Provided that a teacher of Post Graduate Department in Affiliated/Associated /Autonomous/Constituent College of the University having eligibilities mentioned herein above, may be approved as supervisor:

Provided further that the Vice-Chancellor of the University may act as a Ph.D. Supervisor in his/her subject, where the maximum numbers of scholars permitted shall be the same as that for a professor in the subject.

Provided also that a retired teacher of the University or its affiliated/associated/constituent college, may be permitted to remain as supervisor of his/her Ph.D. student during the remaining tenure of Ph.D. studentship of the student(s) already registered with him/her. If the research scholar is unable to submit the thesis within the regular studentship period, the change of supervisor may be considers as per provisions:

Provided further that in very special circumstances the retired teachers of the Universities and affiliated/associated colleges up to the age of 65 years may also be approved as supervisors subject to the decision of the Vice-chancellor through RDC During leave/Deputation the supervisor will continue till resignation/retirement. In this circumstances The Head of department shall work as co-supervisor.

- 5.2 Any regular Professor of the University/Institution Deemed to be a University/College with at least five research publications in refereed journals and any regular Associate/Assistant Professor of the

university/institution deemed to be a university/college with a Ph.D. degree and at least two research publications in refereed journals may be recognized as Research Supervisor.

The task of screening the applications for recognition/approval of fresh/new research supervisors shall be carried out by the RDC in accordance with the above criteria.

Provided that in areas/disciplines where there is no or only a limited number of refereed journals, the Institution may relax the above condition for recognition of a person as Research Supervisor with reasons recorded in writing.

- 5.3 Only a full time regular teacher of the concerned University/Institution Deemed to be a University/College can act as a supervisor. The external supervisors are not allowed. However, Co-Supervisor can be allowed in inter-disciplinary areas from other departments of the same institute or from other related institutions with the approval of the Research Advisory Committee.
- 5.4 The allocation of Research Supervisor for a selected research scholar shall be decided by the RDC concerned depending on the number of scholars per Research Supervisor, the available specialization among the Supervisors and research interests of the scholars as indicated by them in admission form(as indicated in Para 4.18.1).
- 5.5 In case of topics which are of inter-disciplinary nature where the Department concerned feels that the expertise in the Department has to be supplemented from outside, the Department may appoint a Research Supervisor from the Department itself, who shall be known as the Research Supervisor, and a Co-Supervisor from outside the Department/ Faculty/College/Institution on such terms and conditions as may be specified and agreed upon by the consenting Institutions/Colleges.
- 5.6 A Research Supervisor/Co-supervisor who is a Professor, at any given point of time, cannot guide more than Eight (8) Ph.D. scholars. An Associate Professor as Research Supervisor can guide up to a maximum of six (6) Ph.D. scholars and an Assistant Professor as Research Supervisor can guide up to a maximum of four (4) Ph.D. scholars.
- 5.7 In case of relocation of an Ph.D. woman scholar due to marriage or otherwise, the research data shall be allowed to be transferred to the University to which the scholar intends to relocate provided all the other conditions in these regulations are followed in letter and spirit and the research work does not pertain to the project secured by the parent institution/ supervisor from any funding agency. The scholar will however give due credit to the parent guide and the institution for the part of research already done.
- 5.8 A supervisor shall not be allowed to supervise a candidate who is his/her relative whether by blood or by marriage.

Explanation- In this Ordinances “relative” means the relations provided in the explanation to section 20 of U.P. State University Act, 1973.

- 5.9 On recommendation from the RDC through the **Head of the University department** or the Director of Institute concerned, the Vice-chancellor may allow a candidate to have co-supervisor for his/her thesis from an allied Department or Institution recognized by the University for this purpose, if the research is of an inter-disciplinary nature. The Supervisor shall be from the Department where the candidate is registered:

Provided that if a Supervisor is not available in the Department in inter-disciplinary area, RDC may appoint Supervisor from the other concerned Department of the University.

- 5.10 Change of supervisor shall ordinarily not be allowed, but in special cases, where the Head of the department is satisfied that the research work of the scholar will suffer.
 - (i) On account of migration, retirement, or for any other suitable reason, the supervisor may not be available to guide the scholar or,

- (ii) As the Supervisor is not willing to, or not in a position to supervise a scholar.
- (iii) Due to existence of extra ordinary situations necessitating such a change.

In such cases, the RDC may recommend a change of supervisor to the Vice-Chancellor through the Dean of Faculty or the Director of Institute who may allow change of the supervisor.

- 5.11** The RDC, at its discretion may also decide whether change of supervisor will require fresh registration of the scholar.

Note-1 : Provided that such research work leading to Ph.D. degree in allied subject in the same or other faculty may also be allowed if the research degree committee on recommendation of the concerned Dean of the faculty or the Director of Institute and the head of department is satisfied that the candidate possesses the requisite qualification/capabilities to take up the proposed work in multidisciplinary areas.

Note:-

- (i) Research on living authors is not permissible.
- (ii) A candidate holding M.D. Degree in Psychological Medicine (in the Faculty of Medicine) is eligible to supplicate for Ph.D. degree in Sociology.

6.0 Course Work: Credit Requirements, number, duration, syllabus, minimum standards for completion, etc.

- 6.1** The credit assigned to the Ph.D. course work shall be a minimum of 08 credits and a maximum of 16 credits.
- 6.2** The course work shall be treated as prerequisite for Ph.D. preparation. A minimum of four credits shall be assigned to one or more courses on Research Methodology which could cover areas such as quantitative methods, computer applications, research ethics and review of published research in the relevant field, training, field work, etc. Other courses shall be advanced level courses preparing the students for Ph.D. degree.
- 6.3** All courses prescribed for Ph.D. course work shall be in conformity with the credit hour instructional requirement and shall specify content, instructional and assessment methods. They shall be duly approved by the authorized academic bodies.
- 6.4** The Department/College where the scholar pursues his/her research shall prescribe the course(s) to him/her based on the recommendations of the Research Advisory Committee, as stipulated under sub-Clause below, of the research scholar. The Head of Department shall prepare the Time-Table for the course work, teaching, continuous evaluation and internal tests and shall conduct the same. **The Head of Department shall frame the syllabus of course work through Departmental Research Advisor committee and Board of Studies etc.**
- 6.5** All candidates admitted to the Ph.D. programmes shall be required to complete the course work prescribed by the Department during the initial one or two semesters.
- 6.6** Candidates already holding M. Phil. degree and admitted to the Ph.D. programme, or those who have already completed the course work from any University. and have been permitted to proceed to the Ph.D. in integrated course, may be exempted by the Department from the Ph.D. course work. All other candidates admitted to the Ph.D. programme shall be required to complete the Ph.D. course work prescribed by the Department.
- 6.7** Grades in the course work, including research methodology courses shall be finalized after a combined assessment by the Research Advisory Committee and the Department and the final grades shall be communicated to the Institution/College.
- 6.8** A Ph.D. scholar has to obtain a minimum of 55% of marks or its equivalent grade in the UGC 7-point scale (or an equivalent grade/CGPA in a point scale wherever grading system is followed) in

the course work in order to be eligible to continue in the programme and submit the dissertation/thesis.

6.9 Fee for Ph.D. students (including course work)

- 6.9.1** Each student shall pay of Rs. 15000/-(Rs. Fifteen Thousand Only)/ (Rs. 5,000/- in case of SC/ST candidates), as a fee for first installment including Course Work .
- 6.9.2** The candidate shall also **deposit**, with thesis, Rs 10,000/- (Rs. Ten Thousands Only)/(Rs 5000/- (Rs. Five Thousands in case of SC/ST candidates) as the evaluation and viva-voce examination fee for Ph.D. degree.
- 6.9.3** The part-time student shall pay a sum of Ps. 45,000(forty-five thousands fee for PhD. including course work / Submission/ valuation/ Ph.D. viva-voce etc. Regular mode Ph.D. student in change under Para 10.9 shall pay fee Rs. 45000(forty-five thousands only) including total pre-deposited fee, if any.
- 6.10** All admitted candidate **excluding under Para 6.6** shall under go a course work for a minimum period of one semester of six month as prescribed by the University.
- 6.11** Minimum attendance required to become eligible to appear in the qualifying examination for each paper shall be 75% of all class lectures (separately in theory & practical). In case a student is short of attendance due to illness, participation in sports, extra curricular activities etc., the following rules may be applied-
- (a) Shortage upto 05% may be condoned by the Convener/**Head/Director**.
- (b) A shortage upto a maximum of 10% may be condoned by the Vice Chancellor on the specific recommendations of the Convener/**Head/Director**. Minimum **60%** attendance is required even after such relaxation.
- 6.12** The University shall conduct a semester end qualifying examination, with other University exams, based on the course work in general supervision of HOD/Director. The pass marks in the course work (including internal assessment) shall be 50% for all students in each paper and in aggregate as well.
- 6.13** If a candidate fails to qualify the course work examination in first attempt, he will be given two additional chances to clear the course work examination within one year.
- 6.14** If found necessary, Course Work may be carried out by doctoral candidates in sister Departments/Institutes/College either within or outside the University.

7. Research Advisory Committee and its functions:

- 7.1** There shall be a Research Advisory Committee, or an equivalent body for similar purpose as defined in the Statutes/Ordinances of the Institution concerned, for each Ph.D. scholar. The Research Supervisor of the scholar shall be the Convener of this Committee. This Committee shall have the following responsibilities:
- 7.1.1** To review the research proposal and finalize the topic of research;
- 7.1.2** To guide the research scholar to develop the study design and methodology of research and Identify the course(s) that he/she may have to do.
- 7.1.3** To periodically review and assist in the progress of the research work of the research scholar.
- 7.2** A research scholar shall appear before the Research Advisory Committee once in six months to make a presentation of the progress of his/her work for evaluation and further guidance. The six monthly progress reports shall be submitted by the Research Advisory Committee to the Institution/College with a copy to the research scholar.

- 7.3 In case the progress of the research scholar is unsatisfactory, the Research Advisory Committee shall record the reasons for the same and suggest corrective measures. If the research scholar fails to implement these corrective measures, the Research Advisory Committee may recommend to the Institution/College with specific reasons for cancellation of the registration of the research scholar.
- 7.4 Research Advisory Committee which may be separate for each department and shall consist of-
- (a) The Head/Director/as Chairman,
 - (b) The Supervisor as Convener,
 - (c) Three Expert nominated by the Vice-Chancellor for three years,
 - (d) All the professor of the University Department,
 - (e) One Associate Professor and One Assistant Professor of the University Department on the basis of Seniority for one year on rotation basis.

The Director/Head may invite a person of repute as a member of the Committee with consent of the Vice-Chancellor.

(Note- Presence of at least one expert shall be mandatory in each meeting.)

8.00 Evaluation/Submission and Assessment Methods, minimum standards/credits for award of the degree, etc.:

- 8.1 Upon satisfactory completion of course work, and obtaining the marks/grade prescribed in sub-Para 3.1 above, as the case may be, the Ph.D. scholar shall be required to undertake/continue the research work in MGKVP/Colleges and produce a draft dissertation/thesis within a reasonable time, as stipulated by the Regulations.
- 8.2 The period of a candidate's studentship shall be counted from the date on which he/she had deposited his/her fee before the commencement of the course work, as mentioned in Ordinance.
- 8.3 Continuation of the registration of candidate in the Ph.D. programme shall depend on his/her satisfactory progress and good conduct. The University reserves the right to cancel the registration of any candidate in the event of his/her conduct and progress being found otherwise.
- 8.4 A candidate registered for the Ph.D. degree shall be required to pursue his/her research at head-quarter of the University/Institution/College under the supervisor and on the subject approved for not less than Thirty Six months including the period of course work commencing from the date of approval by RDC and must put in at least 180 days attendance in the department concern after the completion of the course work:

Provided that the Vice-Chancellor, on the recommendation of the Supervisor, the Head of the department and the Dean, grant permission to candidate to reside outside for purpose of collection of research material for his/her thesis or doing experimental research work for a total period of not more than one and half year provided that such exemption shall not be granted in the first six months;

Provided further that the Vice-Chancellor on the recommendation of the Supervisor, the Head of the Department and the Dean, may allow a candidate to work at such centers of research within area of its jurisdiction such research centre outside its jurisdiction with which a Memorandum of understanding (MuU) has been signed by the University for this purpose and as may be approved by the academic council in this behalf in which case the candidate can have a co-supervisor who shall be not below the rank of professor or senior scientist of equivalent rank from the research centre concerned.

- 8.5 In special circumstances, a candidate may, not later than one year from the date of on which approval was granted to him or next meeting of the RDC. modify the scheme of the topic with the

- approval of the Vice-Chancellor on the recommendation of supervisor, the head of the department and the Dean.
- 8.6 In case, a candidate fails to submit his/her thesis within four calendar years, he/she shall cease to be bonafide student of the University and shall not be entitled to the rights and facilities extended to a regular student;
- Provided that such a candidate may, under special circumstances be permitted by the Vice-Chancellor on collective recommendation, the Head of the department and the Dean of faculty concerned, to submit his/her thesis within a maximum period six years including the four years period of his/her studentship.
- 8.7 A candidate submitting his/her thesis after the expiry of four years period shall have to pay additional fee of Rs. Two Thousand only to the University.
- 8.8 The registration of the candidate who does not submit his/her thesis within six years from the date of his/her studentship shall be deemed to be cancelled automatically.
- 8.9 Every Research scholar will be required to submit a progress report every six months to the University before the Research Advisory Committee through Supervisor.
- 8.10 (a) A scholar may be permitted to make minor modifications in the title of his thesis by the Dean of the Faculty concerned on recommendation from the supervisor and the Head of the Department, but not later than six months before the submission of his/her thesis.
- (b) In case of major modifications or Topic change the scholar will be treated as a fresh case and shall not be allowed to submit the thesis before two years.
- 8.11 A thesis already presented for the Master of Philosophy (M.Phil.) Degree shall not again be accepted for the degree of Doctor of Philosophy. However, some portion of it may be utilized in the Ph.D. thesis. The thesis should make substantive contribution to the discipline concerned, as evinced by discovery of new facts, or a fresh interpretation of facts or theories and should be so certified by the scholar and the supervisor.
- 8.12 (i) When the thesis is ready for submission, the scholar shall apply through his/her supervisor stating therein that the thesis is on the point of completion. Such a report be received at least one month before the completion of the thesis.
- 8.13 Prior to the submission of the thesis, the scholar shall make a presentation in the Department before the Research Advisory Committee of the Institution concerned (where research is being carried on) which shall also be open to all faculty members and other research scholars. The feedback and comments obtained from them may be suitably incorporated into the draft dissertation/thesis in consultation with the Research Advisory Committee.
- 8.14 Ph.D. scholars must publish at least one (1) research paper in refereed journal and make two paper presentations in conferences/seminars before the submission of the thesis for adjudication, and produce evidence for the same in the form of acceptance letter /or reprints.
- 8.15 The MGKVP administration shall evolve a mechanism using well developed software and gadgets to detect plagiarism and other forms of academic dishonesty. While submitting for evaluation, the dissertation/thesis shall have an undertaking from the research scholar and a certificate from the Research Supervisor attesting to the originality of the work, vouching that there is no plagiarism and that the work has not been submitted for the award of any other degree/diploma of the same Institution where the work was carried out, or to any other Institution.
- 8.16 The Head of **University** Department concerned **and supervisor** shall place the **separate** application before the **Vice-Chancellor**, which shall recommend a panel of not less than six external experts of

Professor level along with their e-mail address, postal address, fax and contact number of each expert in addition to the supervisor who shall also be an examiner. Out of this panel, at least three experts, inclusive of the Supervisor, shall be appointed by the Vice-Chancellor in accordance with the due procedure to evaluate the thesis. It is to be ensured that at least one examiner-expert shall be from outside the State. It shall be up to the University to have one examiner from outside the Country.

- 8.16.1** Every effort should be made to ensure that the panel of examiners is representative in terms of the University and that not more than one examiner is chosen from one University.

The research scholar shall submit the thesis in four printed or type written on both side, but not published earlier, copies of his/her thesis, and two CDs in PDF format along with the three copies of summary and approved synopsis. Published matters may also be incorporated mentioning the sources as part of the thesis.

- 8.17** The medium of expression of every thesis shall be either English or Hindi (written in Devanagari Script) except in the case of subject connected with any of the oriental language where the thesis, may at the option of the candidate, be presented in that language and **printed in both sides**.

The thesis shall comply the following conditions:-

- (i)** It must be piece of research work characterized either by the discovery of facts or theories. In either case it should reflect the candidate's capacity for critical examination and sound judgment. The candidate shall communicate, how far the thesis embodies the result of candidate's own observation and in what respect his investigations may advance knowledge in the subject.
- (ii)** It shall be satisfactory so far as its literary presentation is concerned and must be in a form suitable for publication.
- (iii)** The thesis shall be accompanied by a certificate from the supervisor stating:
 - (a) that the thesis embodies the work of candidate himself/herself.
 - (b) that the candidate worked under him/her for the period required under ordinance, and
 - (c) that he / she has put in the required attendance in the department during that period.

- 8.18** Receipt of the thesis, along with the certificates and fee mentioned above, the thesis shall be sent within two weeks to examiners selected for the purpose after receiving their consent **either through email or registered/speed-post**. In no case, the maximum time for all this process shall exceed two months.

- (i) In the examiners consider the thesis to be of sufficient merit, they may recommend that the thesis be excepted for the award of the degree of doctor of philosophy.
- (ii) On receipt of satisfactory evaluation reports these shall be laid before the examination committee or sub-committee thereof appointed for the purpose.
- (iii) If the committee is satisfied that the reports of the examiners unanimous and definite, the candidate shall be required to undergo a viva-voce examination to be conducted by two examiners of whom one shall ordinarily be the supervisor and the other one from amongst the two external examiners, who have evaluated the thesis. If the external examiners evaluating the thesis are from out side the country, another external examiner may be specially appointed for the purpose.
- (iv) The head of the **University** department shall preside and conduct the proceeding of viva-voce examination but he/she shall not be party to the decision.

- (v) In case the supervisor is not available, the head of the **University** department himself or any senior teacher of department as recommended by the board of studies may act as internal examiner.
- (vi) The viva-voce examination shall be held at University head quarter **in the presence of concerned University head of department and faculty members** and will be open to all interested in subject, where the candidate shall be required to present the main finding of his/her thesis and defend the same. After satisfactory viva-voce the examination committee or sub-committee, has the case may be, may recommend that the result of the candidate be declared and the result shall be declared accordingly.

- 8.19**
- (i) If the majority of examiners recommend that the candidate be asked to improve his thesis, the executive council/vice chancellor may permit the candidate re-submit his thesis, not earlier than six months and not later than the date to be fixed by the executive council/Vice-chancellor in such cases.
 - (ii) In case a candidate is allowed to re-submit his thesis, he shall have to pay fresh fee of Rs. 5000/-(Rs. Five Thousands Only) at the time of resubmitting the thesis but it shall not be necessary to produce any certificate e.g. further attendance in the institution.
 - (i) If reports of examiners show a divergence of opinion between the examiners, a fourth examiners shall be appointed from the panel of examiners already approved whose decision shall be final.

Provided that if two examiners recommend the revision of the thesis either originally or after the exchange of reports, the thesis shall be revised and re-submitted. The revised thesis shall ordinarily be examined by the same set of examiners for evaluation after obtaining their consent afresh.

Provided further that in case two examiners reject a thesis originally or after the exchange of report the thesis shall be finally rejected.

- 8.19** A printed copy, not used for a evaluation and electronic version on a CD of each excepted thesis shall be lodged with the University Library or research centre at which the candidate pursued research where it will be opened to public inspection.
- 8.20** The copies of report of examiners of the thesis and viva-voce reports may be given to the candidate on his written request only in cases where the thesis has been finally accepted for the award of degree, after award of degree.
- 8.21** The University along with the degree, shall issue provisional certificate certifying to the effect that the degree has been awarded in accordance with the provisional to the UGC (minimum standard and procedure for award of Ph.D. degree) Regulation 2016.

Depository With UGC

- 8.22** Following the successful completion of the evaluation process and conferment of the award of Ph.D., the University shall submit a soft copy of the Ph.D. thesis to the University Grants Commission within a period of thirty days, for hosting the same in INFLIBNET, accessible to all Institution/Universities.
- 8.23** The University shall host another soft copy of the Ph.D. thesis on its website for general viewing.

9.0 Academic, administrative and infrastructure requirement to be fulfilled by Colleges for getting recognition for offering Ph.D. programmes:

- 9.1** Colleges may be considered eligible to offer Ph .D programmes only if they satisfy the availability of eligible Research Supervisors, required infrastructure and supporting administrative and research promotion facilities as per these Regulations.

- 9.2 Post-graduate Departments of Colleges, Research laboratories of Government of India/State Government with at least two Ph.D. qualified teachers/scientists/other academic staff in the Department concerned along with required infrastructure, supporting administrative and research promotion facilities as per these Regulations shall be considered eligible to offer Ph.D. programmes. Colleges should additionally have the necessary recognition by the Institution under which they operate to offer Ph.D. programme.
- 9.3 Colleges with adequate facilities for research as mentioned below alone shall offer Ph. D. programmes:
- 9.3.1 In case of science and technology disciplines, exclusive research laboratories with sophisticated equipment as specified by the Institution concerned with provision for adequate space per research scholar along with computer facilities and essential software, and uninterrupted power and water supply;
- 9.3.2 Earmarked library resources including latest books, Indian and International journals, e-journals, extended working hours for all disciplines, adequate space for research scholars in the Department/ library for reading, writing and storing study and research materials;
- 9.3.3 Colleges may also access the required facilities of the neighboring Institutions/Colleges, or of those Institutions/Colleges/R&D laboratories/Organizations which have the required facilities.

10.00 Ph.D. through Part-time:

- 10.1 Notwithstanding anything contained in these Regulations or any other Rule or Regulation, for the time being in force, no University; Institution, Deemed to be a University and College shall conduct Ph.D. Programmes through distance education mode.
- 10.2 Part-time Ph.D will be allowed provided all the conditions mentioned in the extant Ph.D Regulations are met.
- 10.3 Part time Ph.D. candidate may work permanent mode in university/college/Institute as a Permanent teaching faculty or any Industry/Organization as a class 1st or 2nd or officer category and fulfill all the conditions and criteria motioned in the Ph.D. ordinance of MGKVP .
- 10.4 Application for admission, coursework, progress report etc shall be in accordance with the Ph.D. ordinance of MGKVP.
- 10.5 No leave shall be granted to part time Ph.D. candidate except course work for six months. The part time scholar will allow for lab work near their working plate with permission of research advisory committee of the Department/Institute and Vice-chancellor of the university.
- 10.6 Part time Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of four (4) year, including course work and a maximum of six years.
- 10.7 The women candidate and Person with disability (more than 40%) disability may be allowed a relax of two year for Ph.D. in the maximum duration. In addition, the women candidate may be provide maternity leave/child care leave once in the entire duration of Ph.D. for up to 240 days.
- 10.8 Part time Ph.D. candidate shall be in regular contact in the Ph.D. supervisor.
- 10.9 During Ph.D.a regular candidate may change from regular mode of Ph.D. work in part - time mode of Ph.D. work with permission of research advisory committee of the Department /Institute and vice chancellor of the University.
- 11. Award of Ph.D. degrees prior to Notification of these Regulations, or degrees awarded by foreign Universities:**
- 11.1 Award of degrees to candidates registered for the Ph.D. programme on or after July 11, 2009 till the date of Notification of these Regulations shall be governed by the provisions of the UGC (Minimum Standards and procedure for Awards of PhD Degree) Regulation, 2009.
- 11.2 If the Ph.D. degree is awarded by a Foreign University, the Indian Institution considering such a degree shall refer the issue to a Standing Committee constituted by the concerned institution for the purpose of determining the equivalence of the degree awarded by the foreign University.


12. Depository with INFLIBNET:

- 12.1 Following the successful completion of the evaluation process and before the announcement of the award of the Ph.D. degree(s), the examination of MGKVP shall submit an electronic copy of the Ph. D. thesis to the INFLIBNET, for hosting the same so as to make it accessible to all Institutions/Colleges.
- 12.2 Prior to the actual award of the degree, MGKVP shall issue a provisional Certificate to the effect that the Degree has been awarded in accordance with the provisions of these UGC Regulations, 2016.

* * * * *

निर्णयः— परिषद् ने सम्यक् विचारोपरान्त समिति द्वारा प्रस्तुत उपर्यक्त शोध अध्यादेश-2017 के संशोधन की संस्तुति को अनुमोदित किया।

ह0
कुलपति



कुलसचिव
21/11/17